a2zpapers.com

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6447

M.A. (Hindi) 1st Semester

HINDI NATAK OR RANGMANCH

Paper—V Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

भाग एक

1. निम्नलिखित पद्यांशों/गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या करें। 4×6=24

(i) सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में कबहूं न कीजै वास।।

(ii) जहाँ न धर्म न बुद्धि नहीं, नीति न सुजान समाज।
ते ऐसहि आपुहि नसै जैसे चौपटराज।।

(iii) मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतलमणि नहीं हूँ, मझमें रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूंगी।

(iv) पुरुषों की प्रभुता का जाल मुझे अपने निर्दिष्ट पथ पर ले ही आया । मंदा ; यह दुर्ग-विजय मेरी सफलता है या मेरा दुर्भाग्य, इसे मैं नहीं समझ सकी हूँ।

(v) हर सत्य नया होता है, वह जिया जाता है। जो जिया न जा सके, उसे सत्य नहीं मानता।

(vi) जिस दिन एक असहाय ने घुटने टेक कर आंखों में आंसू भरकर दृश्य से अदृश्य की ओर देखा उसी दिन जन्म हुआ ईश्वर का, और वहीं से पनपी पहली राजनीति धर्म की।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
d free old Question papers gndu, ptu hp board, punja

a2zpapers.com

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें :— 4×6=24

(i) 'अंधेर-नगरी' नाटक में राजा की न्याय-प्रक्रिया पर प्रकाश डालें।

(ii) गोवर्धन को फांसी क्यों दी जा रही थी और उसे गुरूजी ने कैसे बचाया ?

(iii) शंकराज किस आशंका से भयभीत हो उठा था ?

(iv) चन्द्रगुप्त ने ध्रुवस्वामिनी की रक्षा किस प्रकार की ?

(v) 'कर्तव्य और भावना' के संदर्भ में हरिश्चन्द्र और शैव्या के वार्तालाप पर प्रकाश डालें।

(vi) स्त्रीत्व से बड़ा, स्त्री का व्यक्तित्व होता है — स्पष्ट करें।

भाग दो

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर दें। 2×16=32

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक का नामकरण उसके कथ्य पर पूर्णतः चरितार्थ होता है — स्पष्ट करें।

(ii) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

(iii) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक स्त्री मोक्ष की समस्या का सटीक चित्रण करता है — स्पष्ट करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
d free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab